Total Pages : 4 Roll No. .....

MAHL-101

हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं आदिकालीन कविता

M.A. Hindi (MAHL-12/16/17)

First Year Examination, 2019 (June)

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारिक? उनकी कविता के आधार पर अपने मत प्रस्तुत करें।

2. हिन्दी साहित्येतिहास के नामकरण एवं कालविभाजन की समस्या पर युक्तियुक्त विचार करें।

3. आदिकालीन काव्यधाराओं की विभिन्न प्रवृत्तियों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।

4. आदिकाल के उद्‌भव एवं विकास को क्रमिक रूप से विवेचित कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. सिद्ध साहित्य पर टिप्पणी कीजिए।

2. रासों काव्य परम्परा पर विचार कीजिए।

3. नाथ काव्य एवं सिद्ध साहित्य के अंतर्सम्बन्ध पर विचार कीजिए।

4. आदिकालीन कविता में प्रयुक्त काव्य-रूपों पर विचार कीजिए।

5. वीरगाथाकाल नामकरण की अर्थवत्ता पर विचार कीजिए।

6. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन के प्रमुख ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

7. अमीर खुसरों की रचना-प्रकृति को विवेचित कीजिए।

8. विद्यापति की रचनाओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए।

1. सिद्धों की संख्या 9 मानी जाती है।

2. सन्ध्या भाषा का सम्बन्ध विद्यापति से है।

3. रासो काव्य का सम्बन्ध दिल्ली और उसकी आस-पास की घटनाओं से है।

4. चारण काव्य प्रवृत्ति का सम्बन्ध सिद्ध साहित्य से है।

5. पउम चरिउ के रचनाकार स्वयंभू हैं।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

6. नाथ सम्प्रदाय को प्रतिष्ठित करने का श्रेय ..... को है।

(गोरखनाथ/आदिनाथ/कण्हण)

7. अपभ्रंश के वाल्मीकि ..... को कहा गया है।

(पुष्पदन्त/सरहपाद/स्वयंभू)

8. कीर्तिलता के रचनाकार ..... हैं।

(विद्यापति/चन्द्रवरदाई/राम सिंह)

9. पदावली ..... काव्य रूप में रचित है।

(प्रबन्ध/मुक्तक/नाटक)

10. खालिकबारी के रचनाकार ..... हैं।

(विद्यापति/अमीर खुसरो/चन्द्रवरदाई)